खबर संक्षेप

24 मार्च को 17,445 बच्चों को मिलेगा विद्यारंभ प्रमाण पत्र

शहडोल। जिले में आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 5 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए 24 मार्च को विशेष आयोजन किया जाएगा। इस दिन जिले के 17,445 बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे, जिससे उनका प्राथमिक शालाओं में सहज रूप से प्रवेश सुनिश्चित किया जा सके।जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास अखिलेष मिश्रा ने बताया कि संचालनालय महिला एवं बाल विकास, भोपाल के निर्देशानुसार आंगनवाड़ी केंद्रों में बाल चौपाल के अवसर पर ग्रेजुएशन सेरेमनी आयोजित की जाएगी। इस दौरान बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र प्रदान कर उन्हें औपचारिक शिक्षा की ओर अग्रसर किया जाएगा।उन्होंने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को सुदृढ़ करना और बच्चों को प्राथमिक विद्यालय में सुगम रूप से स्थानांतरित करना है।परियोजना अनुसार बच्चों की संख्या में ब्यौहारी में 3,712, बुढार में 3,977, जयसिंहनगर में 3,585, गोहपारू में 1,760, शहरी शहडोल में 1,160 तथा सोहागपुर में 3,251 बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। इस आयोजन को लेकर जिलेभर में तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रशासन का मानना है कि इस पहल से बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ेगा और उनकी स्कूली शिक्षा की मजबूत नींव रखी जा सकेगी।

कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण की शुरुआत

शहडोल। जिले के जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत बसोहरा स्थित मां बिरासिनी देवी मंदिर प्रांगण में विगत कई वर्षों से लगातार धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। चैत्र नवरात्र एवं हिन्दू नव वर्ष के पावन पर्व पर कलश यात्रा से संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण की शुरुआत हुई। कलश यात्रा की शुरुआत मां बिरासिनी देवी मंदिर प्रांगण से हुई जो मां खांखड़ा देवी मंदिर तक पहुंची जिसके बाद मां बिरासिनी देवी मंदिर प्रांगण में कलश यात्रा का समापन हुआ। बाजे-गाजे के साथ निकली कलश यात्रा में श्रीराधा-कृष्ण की झांकी आकर्षण का केंद्र रहीं। मां बिरासिनी देवी मंदिर प्रांगण में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण का आयोजन 19 से 27 मार्च तक किया जा रहा है। मां बिरासिनी देवी नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा आयोजित सार्वजनिक संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण में समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों को कथा का रसपान करने हेतु आमंत्रित किया गया है। कथा वाचक के रूप में आचार्य रविकृष्ण शास्त्री जी महाराज श्रीधाम वृन्दावन के मुखारविंद से आयोजित कार्यक्रम में भक्त भगवान के श्रीचरणों में लीन नजर आ रहे हैं। वहीं सुन्दर भजनों की प्रस्तुति में भक्त थिरकते हुए दिखाई देते हैं। कलश यात्रा में ग्राम बसोहरा, बरना निगाई लखनपुर मुंहडोला सहित आस-पास के सैकड़ों ग्रामवासियों ने हिस्सा लिया।

विकास की राह में टकराव, जांच में जुटी पुलिस

अमलाई ओसीएम में आधी रात घेरावः गेट पर टेंट डाल काम ठप, आरकेटीसी को 80 लाख का झटका

रोजगार देने वाली कंपनी पर विरोध की मार, कर्मचारियों में डर

शहडोल। धनपुरी थाना क्षेत्र के अमलाई ओसीएम में आधी रात उस वक्त हड़कंप मच गया, जब कुछ लोगों ने आरकेटीसी कंपनी के मुख्य गेट के सामने टेंट लगाकर रास्ता पूरी तरह जाम कर दिया। 19 मार्च की रात करीब 1 बजे हुई इस घटना के चलते कर्मचारियों और वाहनों की आवाजाही ठप हो गई, जिससे कंपनी का कामकाज पूरी तरह रुक गया। आरोप है कि इस सुनियोजित अवरोध के कारण कंपनी को करीब 80 लाख रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। घटना के दौरान कर्मचारियों में भय और तनाव का माहौल बन गया, वहीं पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिले के अमलाई क्षेत्र स्थित ओपन कास्ट माइंस में संचालित आरकेटीसी कंपनी से जुड़ा एक बड़ा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां बीती रात कुछ लोगों द्वारा कंपनी के मुख्य गेट के सामने टेंट लगाकर रास्ता जाम कर दिया गया, जिससे न सिर्फ कामकाज पूरी तरह ठप हो गया, बल्कि कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। इस घटना ने औद्योगिक गतिविधियों और स्थानीय कानून-व्यवस्था दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शिकायतकर्ता नीलेंद्र कुमार पाण्डेय, जो आरकेटीसी कंपनी में कार्यरत हैं, उन्होंने धनपुरी थाने में दर्ज कराई शिकायत में बताया कि 19 मार्च की रात करीब 1 बजे कुछ लोग एकजुट होकर कंपनी के गेट के पास पहुंचे और अवैध रूप से टेंट लगाकर रास्ता रोक दिया। इस दौरान कंपनी के कर्मचारियों और वाहनों को अंदर-बाहर जाने से रोक दिया गया, जिससे पूरी उत्पादन प्रक्रिया बाधित हो गई।

शिकायत में जिन लोगों को नामजद किया गया है, उनमें गिरीश चौरसिया, श्रीकांत द्विवेदी, कैलाश यादव, शिव यादव, प्रदीप शर्मा, सूरज विश्वकर्मा, ट्रैक्टर विश्वकर्मा, सैय्यद मुस्ताक, अनिल कुमार बनवासी, सुभाष पाल, अनिल रोटेल, सतीश द्विवेदी, रोहित कुशवाहा, सुनील वर्मा, ध्रुव तिवारी और राजेश यादव सहित अन्य शामिल हैं। आरोप है कि इन सभी ने मिलकर कंपनी के काम में व्यवधान उत्पन्न किया और कर्मचारियों पर दबाव बनाने की कोशिश की।

कंपनी प्रबंधन के अनुसार, इस अवरोध के कारण करीब 80 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। उत्पादन पूरी तरह रुक गया, मशीनें बंद रहीं और तय समय पर कोयला परिवहन नहीं हो सका। इतना ही नहीं, मौके पर मौजूद कर्मचारियों में भय और तनाव का माहौल भी बन गया, जिससे कार्यस्थल की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता उत्पन्न हो गई है।

कंपनी के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर विरोध कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास भी किया, लेकिन वे नहीं माने और लगातार गेट के सामने डटे रहे। हालात ऐसे बन गए कि कंपनी का पूरा संचालन ठप पड़ गया। इस घटना ने यह भी साफ कर दिया कि औद्योगिक इकाइयों के संचालन में स्थानीय स्तर पर उत्पन्न हो रहे विवाद अब गंभीर रूप ले रहे हैं।

स्थानीय स्तर पर आरकेटीसी कंपनी को रोजगार उपलब्ध कराने वाली एक महत्वपूर्ण इकाई के रूप में देखा जाता रहा है। कंपनी ने क्षेत्र के सैकड़ों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दिया है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। इसके बावजूद, पिछले कुछ समय से कंपनी को लगातार विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते उसका सुचारू संचालन प्रभावित हो रहा है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए धनपुरी पुलिस ने शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। जांच की जिम्मेदारी एएसआई भारत प्रताप सिंह को सौंपी गई है, जो पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, इस घटना के बाद औद्योगिक सुरक्षा और प्रशासनिक सतर्कता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। यदि इसी तरह से औद्योगिक इकाइयों को बाधित किया जाता रहा, तो इससे न केवल निवेश प्रभावित होगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के रोजगार के अवसर भी खतरे में पड़ सकते हैं।

श्रमदान कर दिया संदेश, ग्रामीणों से जल संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील

पकरिया में जल संरक्षण का संकल्प, विधायक ने किया श्रमदान

शहडोल। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जनसहभागिता के साथ विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। 19 मार्च से 30 जून तक चलने वाले इस अभियान को जनआंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

इसी क्रम में जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पकरिया में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी ने सहभागिता करते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से जल के महत्व को समझते हुए इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक जयसिंह मरावी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व दीपक मंडावी, सीईओ जनपद पंचायत बुढ़ार राजीव लघाटे, सहायक यंत्री, उपयंत्री, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा साफ-सफाई कार्य में श्रमदान किया गया। सभी ने मिलकर जल स्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने की दिशा में योगदान दिया।कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही यह संदेश दिया गया कि जल बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में निरंतर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है, जिससे जल संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाया जा सके।

संकल्प से समाधान अभियान में बड़ी सफलताः 99% से अधिक आवेदनों का निराकरण

सीईओ जिंप सख्त, लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के निर्देश

शहडोल। जिले में संचालित संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्रशासन ने बड़ी सफलता हासिल की है। अभियान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों में से 99 प्रतिशत से अधिक का निराकरण कर लिया गया है। इस संबंध में सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने विभिन्न निकायों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों को जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए।

सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार जिले में जन समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं पात्र हितग्राहियों को केंद्र व राज्य शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के प्रथम चरण में 12 जनवरी से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर आमजन से आवेदन प्राप्त किए गए।अभियान के तहत अब तक जिले में कुल 69,516 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 68,964 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। इस प्रकार जिले की कुल निराकरण दर 99.21 प्रतिशत दर्ज की गई है, जिसे प्रशासन की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

जनपद पंचायतों की बात करें तो ब्यौहारी में प्राप्त 10,760 आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण किया गया। वहीं सोहागपुर में 9,406 में से 9,405, गोहपारू में 10,153 में से 9,767 तथा बुढ़ार में 19,110 में से 19,076 आवेदनों का निराकरण किया गया है। नगरीय निकायों में भी बेहतर प्रदर्शन देखने को मिला है। नगरपालिका शहडोल में प्राप्त 2,037 आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण किया गया। इसी प्रकार नगरपालिका धनपुरी, नगरपरिषद ब्यौहारी, बकहो, खांड, बुढ़ार और जयसिंहनगर में भी सभी प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर प्रशासन ने प्रभावी कार्यप्रणाली का परिचय दिया है।

समीक्षा बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने विशेष रूप से जनपद पंचायत ब्यौहारी एवं जयसिंहनगर को निर्देशित किया कि लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को समय पर राहत मिल सके।उन्होंने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान का उद्देश्य केवल आवेदन लेना नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी सोच के साथ जिले में अभियान को जनहित में प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है।

जिंक बढ़ेगी फसल की ताकत: किसानों को दी गई वैज्ञानिक खेती की जानकारी

कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम में पोषण प्रबंधन व आधुनिक तकनीकों पर जोर

शहडोल। कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में जिले के ग्रामीण क्षेत्र में किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फसलों की बेहतर उत्पादकता, पोषण प्रबंधन एवं आधुनिक खेती की तकनीकों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम में विशेषज्ञ कृषि वैज्ञानिक बीके प्रजापति ने बताया कि जिंक प्रत्येक जीव के लिए अत्यंत आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व है, जो पौधों के विकास एवं उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि जिंक की कमी होने पर फसलों की वृद्धि प्रभावित होती है तथा उत्पादन में गिरावट आती है। इसके साथ ही यह तत्व मानव एवं पशुओं के स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है।

उन्होंने किसानों को जानकारी दी कि वर्तमान में मिट्टी में जिंक की कमी एक सामान्य समस्या बनती जा रही है, जिससे फसलों की गुणवत्ता और उपज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए संतुलित उर्वरक प्रबंधन, जिंक युक्त खाद के उपयोग तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की सलाह दी गई।कार्यक्रम के दौरान किसानों को उन्नत खेती, जल प्रबंधन एवं मृदा संरक्षण के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें वैज्ञानिक पद्धतियों से खेती करने के लिए प्रेरित किया गया।इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादन में वृद्धि एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा।

एनआरसी केंद्रों में कुपोषित बच्चों का बेहतर उपचार, सभी बिस्तर लगभग फुल

जिले में 70 बच्चों का इलाज जारी, नियमित निगरानी से स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़

शहडोल। जिले के विभिन्न पोषण पुनर्वास केंद्रों में कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों के उपचार एवं देखभाल की व्यवस्था सुदृढ़ रूप से संचालित की जा रही है। इन केंद्रों में भर्ती बच्चों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं, संतुलित पोषण आहार एवं सतत देखभाल उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रशासन द्वारा एनआरसी केंद्रों की नियमित निगरानी की जा रही है, साथ ही आवश्यकतानुसार संसाधनों का समुचित प्रबंधन और आपसी समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद बच्चे को समय पर बेहतर उपचार मिल सके।

जिले के विभिन्न स्वास्थ्य एवं उप स्वास्थ्य केंद्रों में स्थापित एनआरसी केंद्रों में कुल 70 बिस्तरों की व्यवस्था है। वर्तमान में सभी 70 बिस्तरों पर कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों को भर्ती कर उनका उपचार एवं पोषण देखभाल की जा रही है। जिला चिकित्सालय शहडोल स्थित एनआरसी में 20 बिस्तरों के विरुद्ध सभी 20 बच्चों का उपचार जारी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ब्यौहारी में 10 बिस्तरों की क्षमता के मुकाबले 14 बच्चों को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है, जिससे अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ी है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर में 10 में से 5 बिस्तरों पर बच्चों का उपचार किया जा रहा है, जबकि 5 बिस्तर अभी रिक्त हैं। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ार में 10 बिस्तरों के विरुद्ध 11 बच्चों का उपचार किया जा रहा है।

इसी प्रकार सीएचसी गोहपारू एवं सिंहपुर में 10-10 बिस्तरों के विरुद्ध सभी 10-10 बच्चों को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि कुपोषण से प्रभावित बच्चों के उपचार में किसी भी प्रकार की कमी न रहे, इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही बच्चों को बेहतर पोषण, चिकित्सा सुविधा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार हो सके।

झूठे विवाह वादे के जाल में फंसाकर शोषण करने वाला युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

शहडोल। जिले के थाना गोहपारू क्षेत्र में एक महिला को शादी का झांसा देकर लंबे समय तक शारीरिक शोषण करने और बाद में धमकाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान अविनाश साहू निवासी ग्राम अकुरी के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने 19 मार्च को थाना गोहपारू में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी वर्ष 2024 से उसे विवाह का झूठा आश्वासन देकर शारीरिक संबंध बनाता रहा। इस दौरान आरोपी ने ग्राम करकट, मानपुर सहित हाल ही में शहडोल स्थित पीड़िता के किराए के कमरे में भी उसके साथ जबरन संबंध बनाए। पीड़िता ने यह भी बताया कि 9 मार्च को आरोपी उसके कमरे में जबरन घुस आया और उसके चरित्र पर संदेह करते हुए मारपीट की। आरोपी ने पीड़िता के मंगेतर को बुलाकर उसकी फोटो दिखाकर उसे बदनाम करने का प्रयास किया। साथ ही, आरोपी ने धमकी दी कि यदि उसने उससे बातचीत बंद की तो उसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर देगा।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अपराध पंजीबद्ध किया। चूंकि प्रारंभिक घटनास्थल ग्राम करकट गोहपारू थाना क्षेत्र में था, इसलिए पहले शून्य पर अपराध दर्ज कर बाद में विधिवत प्रकरण कायम किया गया। पुलिस टीम ने त्वरित दबिश देकर आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 एवं 115(2) के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।उक्त कार्रवाई में उप निरीक्षक शिवाली चतुर्वेदी महिला शाखा सुरक्षा शहडोल के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक भागचन्द्र चौधरी, प्रधान आरक्षक अमृतलाल प्रजापति एवं आरक्षक प्रदीप बरकड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रजघटा नदी तट पर श्रमदान, जल संरक्षण का लिया संकल्प

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीणों ने की साफ-सफाई, सामूहिक भागीदारी से जागरूकता

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तीसरे चरण के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत दूधी अंतर्गत ग्राम पंचगांव में रजघटा लघु नदी तट पर साफ-सफाई एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था एवं प्रस्फुटन समिति के संयुक्त तत्वावधान में नदी तट पर जल स्रोत का पूजन एवं आरती कर सामूहिक श्रमदान किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने मिलकर नदी तट की साफ-सफाई कर जल संरक्षण का संदेश दिया।कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। लोगों को बताया गया कि जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता से ही यह अभियान सफल हो सकता है। जल संचय भागीदारी अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडेय, विकासखंड समन्वयक श्रीमती प्रिया सिंह, नवांकुर संस्था के लोकनाथ नामदेव सहित प्रस्फुटन समिति के सदस्य पंकज पटेल, रानू पटेल, श्रीमती प्रमिला पटेल, रामलखन पटेल, श्रीमती सुधा पटेल, रामशंकर पटेल, नैना द्विवेदी, प्रीति द्विवेदी सहित मेंटर्स, छात्र एवं अन्य प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए श्रमदान किया।

खबर संक्षेप

अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन सख्तः 15 दिन में जवाब नहीं तो जमीन होगी शासन के अधीन

उमरिया। जिले में अवैध प्लाटिंग के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई तेज कर दी है। प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान के निर्देश और कलेक्टर धरणेंद्र जैन के मार्गदर्शन में एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह ने अवैध कॉलोनाइजरों के विरुद्ध अभियान शुरू कर दिया है। अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ़ द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना में बताया गया है कि ग्राम डबरौहा, तहसील बांधवगढ़ स्थित खसरा नंबर 306/1 को बिना किसी वैध अनुमति के 14 भूखंडों में विभाजित कर बेचा गया है। यह पूरी तरह नियमों के विपरीत है और संबंधित व्यक्तियों द्वारा कॉलोनाइजर के रूप में आवश्यक पंजीयन भी नहीं कराया गया है। प्रशासन के अनुसार, यह कृत्य ग्राम पंचायत (कॉलोनाइजर का रजिस्ट्रेशन) नियम 2014 तथा मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 61(ड) एवं 61(ड-1) का स्पष्ट उल्लंघन है। बिना अनुमति की जा रही प्लाटिंग न केवल गैरकानूनी है, बल्कि आम नागरिकों को भ्रमित कर आर्थिक नुकसान पहुंचाने की भी आशंका पैदा करती है।

एसडीएम अंबिकेश प्रताप सिंह ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि संबंधित 14 व्यक्तियों को 15 दिवस के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करना होगा। यदि निर्धारित समयावधि में जवाब प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संबंधित भूमि को शासन के अधीन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से जिले में अवैध कॉलोनाइजरों के बीच हड़कंप की स्थिति बन गई है। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की अनियमितताओं पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और भविष्य में भी अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। जिला प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि किसी भी भूमि या प्लॉट की खरीद-फरोख्त से पहले उसकी वैधानिक स्थिति की पूरी जानकारी जरूर लें, ताकि किसी प्रकार के विवाद या नुकसान से बचा जा सके।

कोतमा नगर में संचालित किया जा रहा टीकाकरण अभियान

कोतमा। स्वास्थ्य विभाग के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर केएल दीवान ने बताया कि कैंसर महिलाओं में होने वाला एक गंभीर एवं जानलेवा रोग है, जिसका प्रमुख कारण यच पी व्ही संक्रमण है। यह रोग प्रारंभिक अवस्था में बिना लक्षण के बढ़ता है, जिससे समय पर पहचान कठिन हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा बालिकाओं को इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने हेतु टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अनुरोध है कि वे अपनी 14 से 15 वर्ष 3 माह आयु वर्ग की बालिकाओं को अनिवार्य रूप से यच पी व्ही का टीका लगवाएं। यह टीका भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से प्रभावी सुरक्षा प्रदान करता है। डॉक्टर केएल दीवान ने बताया कि यह टीका सुरक्षित एवं प्रभावी है डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुमोदित निर्धारित आयु वर्ग में 1 डोज पर्याप्त भ्रम से बचें उन्होंने कहा कि कुछ भ्रामक जानकारी के कारण लोग टीकाकरण से हिचकते हैं, जबकि यह पूर्णतः वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित एवं सुरक्षित है। इसका प्रजनन क्षमता पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। स्वास्थ्य विभाग ने अपील करते हुए कहा है कि अपनी बेटियों को समय पर टीकाकरण कराएं। अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

मानपुर में संपूर्णता अभियान 2.0 का आगाजः विकास के 6 संकेतकों पर फोकस, 14 अप्रैल तक लक्ष्य पूरा करने का दावा

उमरिया। आकांक्षी विकासखंड योजना के अंतर्गत मानपुर स्टेडियम में आयोजित संपूर्णता अभियान 2.0 का भव्य कार्यक्रम विकास की नई दिशा का संकेत बनकर उभरा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि केंद्र और राज्य सरकार समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और इस अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और कृषि के क्षेत्र में व्यापक बदलाव लाने का लक्ष्य तय किया गया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बांधवगढ़ सुश्री मीना सिंह ने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत आयोजित शिविरों में पहुंचकर अपनी समस्याओं का निराकरण कराएं और पात्रता के अनुसार योजनाओं का लाभ लें। उन्होंने प्रशासन से भी आग्रह किया कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को समय सीमा में राहत मिल सके।

विधायक ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता दी जा रही है, वहीं मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से स्व-सहायता समूह महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभाते हुए परिवार और समाज दोनों को सशक्त बना रही हैं। किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के जरिए आर्थिक सहयोग दिया जा रहा है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। कलेक्टर धरणेंद्र जैन ने अपने संबोधन में बताया कि यह अभियान नीति आयोग के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है और इसके तहत छह प्रमुख संकेतकों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इनमें आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों की उपस्थिति और पोषण, शौचालय और पेयजल सुविधाओं की उपलब्धता, स्कूलों में बालिकाओं के लिए शौचालय, तथा पशुओं के टीकाकरण जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्धारित सभी लक्ष्यों को 14 अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। कलेक्टर ने 'संकल्प से समाधान' अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि इसे चार चरणों में संचालित किया जा रहा है, जिसमें ग्रामीणों की समस्याओं का चरणबद्ध तरीके से समाधान किया जाएगा। यदि खंड स्तर पर समस्याओं का निराकरण नहीं होता है तो उन्हें जिला स्तर पर हल किया जाएगा। उन्होंने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए 14 वर्ष से अधिक आयु की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण कराने की अपील की। कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान का भी विशेष उल्लेख किया गया। कलेक्टर ने बताया कि यह अभियान 30 जून तक संचालित होगा, जिसके तहत जल संरक्षण के लिए तालाबों की सफाई, बोरी बंधान और अन्य गतिविधियां की जाएंगी। उन्होंने लोगों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राही मूलक योजनाओं की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें ग्रामीण आजीविका मिशन की महिलाओं ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। कृषि, शिक्षा, पशुपालन, श्रम, राजस्व और जनजातीय विभागों ने भी अपने-अपने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी और हितग्राहियों को लाभान्वित किया।कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जबकि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। नगर पालिका अध्यक्ष भारती सोनी और जनपद पंचायत अध्यक्ष ममता सिंह ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह, एसडीएम हरनीत कौर कलसी सहित कई अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। संपूर्णता अभियान 2.0 का यह आयोजन न केवल योजनाओं के प्रचार-प्रसार का मंच बना, बल्कि प्रशासन और आमजन के बीच संवाद स्थापित कर विकास को गति देने का मजबूत माध्यम भी साबित हुआ।

संपूर्णता अभियान 2.0 में हितलाभ वितरणः विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुए सैकड़ों हितग्राही

उमरिया। आकांक्षी विकासखंड मानपुर के स्टेडियम में आयोजित संपूर्णता अभियान 2.0 कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा संचालित हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत पात्र लोगों को हितलाभों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह उपस्थित रहीं, जिन्होंने अन्य अतिथियों के साथ मिलकर हितग्राहियों को लाभान्वित किया।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत रामपाल कुशवाहा, दिनेश प्रजापति, पूजा चौधरी और संजय मोंगरे को आवास स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत बजारी बैगा, लल्लू लाल श्रीवास्तव, कमल काछी और सुशील कोल को लाभान्वित किया गया।शिक्षा के क्षेत्र में 'गांव की बेटी' योजना के तहत दीपांजलि तिवारी और संजना सोनी को प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत एचपीवी टीकाकरण योजना के तहत संजना बैगा, अर्चना यादव, खुशबू चौधरी और दिव्या चौधरी को लाभ दिया गया। इसके अलावा प्रसूति सहायता योजना के तहत रश्मि बैगा और कविता चौधरी को सहायता राशि प्रदान की गई।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत भुवनेश्वर शुक्ला और जलेबिया बाई को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए, जिससे उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व-सहायता समूहों को आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बड़ी सहायता दी गई। विरासनी, सांई बाबा, धरोहर, हनुमान, आरती, अनामिका और पर्वत आजीविका स्व-सहायता समूहों को 6-6 लाख रुपये की सीसीएल राशि प्रदान की गई, जिससे ये समूह अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकेंगे।

इसी क्रम में लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत सानया दहायत, भूमि श्री पयासी, अक्षिता पटेल, सृष्टि गुप्ता, महिमा, पिंकी चौधरी, हिमांशी सोनकर, मानवी साहू, और नियति मिश्रा को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर विधायक मीना सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और कोई भी वंचित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को समय पर लाभ मिल सके। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। संपूर्णता अभियान 2.0 के इस आयोजन ने न केवल योजनाओं की जानकारी दी, बल्कि मौके पर ही लाभ वितरण कर लोगों में विश्वास भी मजबूत किया।

शोभायात्रा में झूमे भगवान झूलेलाल के भक्त

कोतमा। सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूले लाल की जयंती शुक्रवार को परंपरागत ढंग से धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर शोभायात्रा निकालकर श्रद्धालुओं ने बैंडबाजे की धुन पर डांडिया किया और भजन-कीर्तन कर भंडारा का आयोजन किया। कार्यक्रम का समापन भगवान झूले लाल की अखंड ज्योति को नदी में विसर्जित कर किया गया। सिंधी समाज ने भगवान झूले लाल की जयंती पर आजाद चौक के पास स्थित गुरुद्वारा से शोभायात्रा शुरू की जो नगर के प्रमुख मार्गो में निकाली गई। बैंडबाजे के साथ निकाली गई शोभायात्रा में भगवान झूले लाल की आकर्षक झांकी सजाई गई थी। सबसे आगे रथ पर भगवान झूलेलाल की अखंड ज्योति चल रही थी। श्रद्धालु नाचते-गाते और अपने आराध्य की जय-जयकार करते चल रहे थे। शोभायात्रा का समापन गुरूद्वारा में हुआ। यहां भजन-कीर्तन के बाद सभी ने भंडारा छका और अंत में अखंड ज्योति को नदी में विसर्जित किया। सिंधी धर्मशाला में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। झूलेलाल जयंती के अवसर पर शोभायात्रा में सिंधी समाज के युवा बुजुर्ग महिलाएं एवं बच्चे भारी संख्या में शामिल हुए।

विद्युत नगरी के मंदिरों में चैत्र नवरात्रि की धूम

चचाई। विद्युत नगरी चचाई में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जगह-जगह मंदिरों में विविध आयोजन होने से पूरे विद्युत नगरी का वातावरण भक्ति में हो गया है यह सिलसिला पूरे 9 दिनों तक बना रहेगा। विद्युत नगरी में अति प्राचीन काली मंदिर में हर वर्ष की तरह है इस वर्ष भी बृहद रूप से मंदिर की साज सज्जा के साथ-साथ प्रथम दिन पूजा पाठ एवं जवारा रोपित कलश स्थापना आदि कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जो अष्टमी में विशाल भंडारे एवं नवमी को विशाल जवारा विसर्जन काली नृत्य एवं बैंड बाजे के साथ किया जाएगा साथ ही सैकड़ो की संख्या में महिलाएं जल चढ़ाने 9 दिनों तक मंदिर में बड़ी संख्या में पहुंचती हैं। विद्युत नगरी के बीच बाजार स्थित अमरकंटक वाटिका में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा में सकल हिंदू समाज द्वारा भव्य सुंदर कांड भारत माता की आरती के साथ ही विशाल भंडारा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष में आयोजित किया गया जिसमें हजारों लोगों ने कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दर्ज कर हिंदू एकता का परिचय दिया। नव संवत्सर विक्रम संवत 2083 युगाबध 5128 चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन मौहार टोला चचाई में श्री राम जानकी मंदिर में श्रीमद् भागवत पुराण महा यज्ञ के निमित्त मातृ शक्तियों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा कलश यात्रा एवं यज्ञ स्थल पर विधि विधान से कलश पूजन कर कलश स्थापना की गई।

पानी की समस्या से जूझ रहा श्रमवीरों का परिवार

कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 12 गोविंदा कॉलोनी एवं वार्ड नंबर 13 लहसुई कैंप में दो दिनों से पेयजल की सप्लाई नहीं होने से श्रमवीरों का परिवार पानी की समस्या से जूझ रहा है। कालरी प्रबंधन के द्वारा श्रमवीर कॉलोनियों में पेयजल की व्यवस्था करने में नाकाम साबित होता दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद कोतमा के वार्ड क्रमांक 12 गोविंदा कालोनी एवं लहसुई कैंप कालोनी में जहां श्रम वीरों का परिवार निवास करता है और उस कॉलोनी की व्यवस्था की जिम्मेदारी कालरी प्रबंधन की है। पाइपलाइन के माध्यम से फिल्टर प्लांट से कालरी प्रबंधन के द्वारा पेयजल की सप्लाई की जाती है बताया जा रहा है कि गुरुवार से पानी की सप्लाई बाधित है। बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात अचानक आये मौसम मे परिवर्तन के कारण तेज आंधी तूफान एवं बिजली कड़कने के साथ ही बारिश होने के कारण केवई नदी मे लगा मोटर जल गया जिसके कारण पानी सप्लाई पूरी तरह से दोनों कॉलोनियों की बाधित हो गई थी। जिसके कारण दो दिनों से गर्मी के मौसम में श्रमवीरों का परिवार पानी के लिए परेशान होता नजर आया। कॉलोनियों में पेयजल की सप्लाई नहीं होने के कारण श्रमवीरों का परिवार पीने के पानी के लिए एवं उपयोग के लिए इधर-उधर परेशान होता नजर आ रहा था।

कोल प्रबंधन के द्वारा कालोनियों मे एक टैंकर के माध्यम से पानी की सप्लाई तो करता नजर आया वह भी अधिकारियों के निवास के आसपास किया गया लेकिन मजदूरों की कालोनी तक नही पहुंचा जिसके कारण लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पाया। नगर पालिका के द्वारा पानी टैंकर के माध्यम से गोबिंदा, लहसुई कालोनियों मे पानी सप्लाई पार्षद मीना सिंह के प्रतिनिधि अर्पण सिंह विक्कू स्वयं उपस्थित रहते हुए वितरण करवा रहे हैं। बताया जा रहा है कि नगर के वार्ड क्रमांक 12 गोविंदा कॉलोनी में कोल प्रबंधन के द्वारा पेयजल सप्लाई के लिए पेयजल संयंत्र स्थापित किया हुआ है और केवई नदी से पाइपलाइन के माध्यम से फिल्टर प्लांट में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करता है। बुधवार गुरुवार को आकाशीय बिजली चमकने के कारण केवई नदी मे लगा मोटर पंप जल गया या जिसके कारण पानी की सप्लाई बाधित होना बताया जा रहा है। पेयजल संयंत्र में कार्यरत अधिकारियों एवं सिविल विभाग की लापरवाही के कारण हर 3 माह में कॉलोनी में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है जिसके कारण अब यह चर्चा होनी शुरू हो गई है कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण आये दिन पानी सप्लाई बाधित हो जाती है जबकि कोतमा नगर पालिका के द्वारा भी केवई नदी में मोटर लगाया गया है जिसके माध्यम से फिल्टर प्लांट में पानी भरा जाता है लेकिन कालरी प्रबंधन की लापरवाही के कारण कभी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण कभी अन्य कारणों से पेयजल सप्लाई बाधित हो जाती है जिसके कारण कभी तीन तो कभी पांच दिनों तक पानी सप्लाई बाधित कर दिया जाता है। पानी सप्लाई नहीं होने के कारण गोबिंदा कालोनी एवं लहसुई कैंप कालोनी में पीने के पानी के लिए त्राहिमाम मचा हुआ है। श्रमवीरों के साथ लापरवाही पूर्ण रवैया प्रबंधन का देखा जा रहा है। नगर पालिका का ही इन्हें सहारा है। जब पानी की समस्या गर्मी के मौसम की शुरुआत से ही शुरू हो गई है तो आगे क्या हाल होगा इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। कालरी प्रबंधन की उदासीनता का खामियाजा श्रम वीरों के परिवार को भुगतना पड़ रहा है।

ईद उल फितर मनायें जाने को लेकर नगर के बाजारों में बढा चहल-पहल

कोतमा। ईद की तैयारी को लेकर बाजार में रौनक देखी जा रही है। मुस्लिम समुदाय के लोग तेज गर्मी और धूप की परवाह किये बिना सुबह से ही खरीदी के लिए बाजार मे निकल रहे हैं। महिलाएं, पुरुष, बच्चों सहित परिवार के लिए नए कपड़े खरीद रहे हैं साथ ही जूते चप्पल की भी खरीदी कर रहे हैं। ईद की तैयारी में सेवई, ड्राय फ्रूट्स सहित अन्य खाद्य सामग्री की भी तैयारी जोरों से जारी है। महिलाएं खरीदी के साथ घर में तरह-तरह के व्यंजन बनाने के लिए भी जरूरी तैयारी करते देखी जा रही हैं।

नगर की रेहाना वारसी ने बताया कि घर पर ईद मनाने के लिए बहुत सारी तैयारियाँ करनी पड़ती हैं। खास तौर पर मिठाइयाँ और मिठाइयाँ, क्योंकि त्यौहार के तीन दिनों में दोस्त और रिश्तेदार मिलने आते हैं। घरो मे भारी मात्रा में क़ीमामी सेवइयाँ बनाई जाती हैं और यह बहुत स्वादिष्ट होती हैं। इसके अलावा चने की दाल का हलवा बहुत मशहूर है और ईद पर ज़रूर खाना चाहिए। इसके अलावा, शाही टुकड़ा डबल का मीठा और रसमलाई भी नहीं छोड़ी जाती, कुछ लोग सूजी का हलवा भी बनाते हैं। मुस्लिम महिलायें बताती है कि ईद पर पूरे समय मेहमान आते रहे और पूरे समय सिर्फ़ उन्हें खाना परोसते रहे और फिर बर्तन धोते रहे। ईद मे हमारे लिए बहुत व्यस्तता वाली होती है और हम कहीं बाहर नहीं जा पाते। दोपहर के भोजन के लिए विशेष मेनू में नान और घी चावल के साथ चिकन कोरमा बनाते हैं। ईद उल फितर के लिए, हम शीर खुरमा

जाबिर फातिमा ने बताया कि ईद-उल-फितर बहुत खुशी के साथ मनाई जाती है और ईद बिना मेलजोल के अधूरी है। इस दिन बनाए गए विशेष व्यंजनों के साथ सभी मुसलमान एक-दूसरे से मिलते हैं। ईद के दौरान हम जो विशेष व्यंजन बनाते हैं, उनमें शीर कोरमा और बिरयानी। इसके साथ ही हम मेहमानों के लिए गुलाब जामुन और डबल का मीठा और बूंदी जैसी कुछ नमकीन चीजें भी बनाते हैं। उम्मीद है कि हम सभी मौज-मस्ती करेंगे, इस त्योहार का लुत्फ उठाएंगे और एक-दूसरे को बधाई देंगे और मेरी दुआ है कि हर मुसलमान शांति से रहे और समृद्ध जीवन जिए।

जिफी फातिमा ने बताया कि हमारा ईद उत्सव परिवार और दोस्तों के साथ बहुत ही साधारण होता है। सुबह ईद की नमाज के बाद हम बहुत हल्का नाश्ता करेंगे जैसे उपमा, अप्पम स्टू या सिर्फ इडली और चटनी। और उसके बाद दोपहर के भोजन की तैयारी शुरू करेंगे, दोपहर का भोजन बिरयानी और मिठाई के लिए पायसम होगा। दोपहर के भोजन के लिए हमारे पास लगभग 10 से 15 मेहमान होंगे। बच्चे मेहंदी लगाएंगे। शाम को दोस्तों और परिवार से मिलने जाएंगे... यह हमारी छोटी ईद का जश्न है। हम ईद पर सेवइयों के साथ ही विशेष पकवान घर पर ही तैयार करने में जुटे हुए हैं।

रईसा बेगम ने बताया कि हमारे घर में, ईद सुबह शीर कुर्मा के बिना पूरी नहीं होती फिर दोपहर के भोजन के लिए रायता और दालचा होता है। बाकी चीजें काफी अलग-अलग होती हैं और मिठाई के लिए, यह हमेशा दम के सेवइयां होती है। इन व्यंजनों के बिना ईद की कल्पना नहीं की जा सकती। हम इस बार ईद पर विशेष पकवान के साथ ही कई प्रकार की सेंवइयां बनाने की तैयारियां कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

खेत में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने और रास्ता खोदने वालों के खिलाफ अब तक नहीं हुई कार्रवाई

ब्यौहारी। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम सरवाही खुर्द के सेहारा मोहल्ला के रहने वाले अशोक कुमार वैश पिता रामखेलावन वैश ने बताया कि दिनांक 15/03/26 तारीख को 10:30 बजे मेरे खेत में संदीप साकेत पिता रामखेलावन साकेत, दीपक साकेत ,पवन साकेत ,सुखेंद्र साकेत निवासी सेहारा सरवाही खुर्द के द्वारा मेरी फसल को नष्ट कर लाखों रुपए का नुकसान पहुंचा इन लोगों के द्वारा जो गेहूं की हरी फसल थी उसको मवेशियों से चारा लिया और जो पकी हुई फसल थी उस पर लेट कर दबा दिया जिससे 5 बंधी गेहूं की फसल पूरी तरह से नष्ट हो जाए। इसी प्रकार 18 मार्च को भीमसेन अगरिया, मिथिलेश अगरिया राजभान अगरिया द्वारा उसके घर के सामने आम रास्ता को खोद दिया मना करने पर गाली गुप्ता एवं मारपीट की गई पुलिस द्वारा बीएस की धारा 352 के तहत अपराध तो पंजीबद्ध किया गया है लेकिन आरोपियों को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया जिससे उनके हौसले बुलंद है और शिकायतकर्ता के जान माल को खतरा बना हुआ है धमकी दी जा रही है शिकायतकर्ता ने फसल नुकसान का मुआवजा दिलाए जाने एवं आम रास्ता खोदने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है

विवादित जगह पर वन विभाग में खुदवाई नाली वन भूमि को किया सुरक्षित

ब्यौहारी। वन परिक्षेत्र पूर्व के अंतर्गत मानपुर तिराहा के पास नगर परिषद एवं फॉरेस्ट के बीच जो विवाद हुआ था नाली खुदवाने को लेकर सोमवार को वन विभाग द्वारा अपनी सीमा पर गहरी नाली खुला दी जिससे वन भूमि पर अतिक्रमण नहीं होगा पूर्वी रेंज की रेंजर संदीप गौतम ने बताया कि हमने अपनी सीमा में नाली खुला दी है अब वन विभाग की सीमा पर कोई अतिक्रमण नहीं है नगर परिषद द्वारा भी कार्य में कोई आपत्ति नहीं की गई रविवार को नगर परिषद एवं वन विभाग के बीच में बैठक हुई थी जिसमें मामला सुलझ गया।

अखंड ज्योति बना आस्था का केंद्र, नौ दिनों तक भक्ति में डूबा पूरा क्षेत्र, प्रशासन मुस्तैद

आस्था का महासैलाब: सिद्धपीठ मां ज्वालामुखी मंदिर में उमड़ी अभूतपूर्व भीड़

धनपुरी। चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर नगर स्थित सिद्धपीठ मां ज्वालामुखी मंदिर इन दिनों आस्था और श्रद्धा का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है। नवरात्र के तीसरे दिन मंदिर में भक्तों की ऐसी भीड़ उमड़ी कि पूरा परिसर "जय माता दी" के जयकारों से गूंज उठा। सुबह की पहली आरती से लेकर देर रात तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर मार्ग तक फैली रहीं।

मंदिर की प्राचीन मान्यता और चमत्कारी स्वरूप के कारण यहां हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, लेकिन इस बार भीड़ ने पिछले कई वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शहडोल, उमरिया, अनूपपुर सहित दूर-दराज के ग्रामीण अंचलों से भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में माता के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहे हैं।

मां चंद्रघंटा की आराधना में डूबे भक्त

नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की विशेष पूजा-अर्चना की गई। धार्मिक मान्यता है कि मां चंद्रघंटा की उपासना से भक्तों को साहस, शक्ति और शांति की प्राप्ति होती है। मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार, घंट-घड़ियाल और शंखध्वनि के बीच विधिवत पूजन संपन्न हुआ। नवरात्र के नौ दिनों में आदिशक्ति के नौ स्वरूपों की आराधना का विधान है और इसी क्रम में श्रद्धालु प्रतिदिन अलग-अलग रूपों की पूजा कर रहे हैं। मंदिर परिसर में चल रहे दुर्गा सप्तशती पाठ, भजन-कीर्तन और हवन-पूजन से वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक हो गया है।

अखंड ज्योति बनी आकर्षण का केंद्र

इस वर्ष मंदिर में अखंड ज्योति विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। वर्षों से श्रद्धालुओं की मांग के बाद मंदिर समिति द्वारा ज्योति घर का निर्माण कराया गया, जहां भक्त अपनी मनोकामना के लिए अखंड ज्योति प्रज्वलित करवा रहे हैं।

श्रद्धालुओं का मानना है कि अखंड ज्योति जलाने से मां की विशेष कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यही कारण है कि दूर-दूर से लोग यहां पहुंचकर अपनी आस्था की लौ प्रज्वलित कर रहे हैं।

सुबह-शाम उमड़ रही भीड़, घंटों इंतजार

मंदिर में सुबह और शाम दोनों समय श्रद्धालुओं की भीड़ चरम पर है। महिलाएं, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे घंटों कतार में खड़े होकर माता के दर्शन का इंतजार कर रहे हैं। मंदिर परिसर से लेकर बाहर तक लंबी लाइनें देखने को मिल रही हैं।

मान्यता है कि सच्चे मन से मां ज्वालामुखी के दरबार में आने वाले भक्तों की हर मनोकामना पूरी होती है, यही विश्वास लोगों को यहां खींच लाता है।

नौ दिनों तक चलेंगे धार्मिक आयोजन

नवरात्र के पूरे नौ दिनों तक मंदिर में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दुर्गा सप्तशती का अखंड पाठ, हवन-पूजन, भंडारा और कन्या भोज का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर में प्रतिदिन सुबह-शाम होने वाली आरती में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल होकर माता का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं।

समिति के माकूल इंतजाम

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। पेयजल, साफ-सफाई, रोशनी और वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था की गई है। मंदिर समिति के सदस्य लगातार व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

कड़ी सुरक्षा, प्रशासन अलर्ट मोड में

नवरात्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। नगर निरीक्षक के नेतृत्व में मंदिर परिसर और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

नगर पालिका भी सक्रिय

नगर पालिका द्वारा भी नवरात्र को ध्यान में रखते हुए विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। मंदिर परिसर सहित पूरे नगर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी लगाए गए हैं।

आस्था की मिसाल : 9 दिन का कठोर व्रत

मां ज्वालामुखी दरबार में श्रद्धा की अद्भुत मिसाल भी देखने को मिल रही है। शाहपुर निवासी श्रीमती गीता सिंह पिछले तीन वर्षों से लगातार नवरात्र में नौ दिनों तक कठोर व्रत रखकर, जवारा स्थापित कर माता की सेवा में लीन रहती हैं। बिना अन्न-जल ग्रहण किए उनकी यह साधना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।नवरात्र के इस पावन पर्व पर सिद्धपीठ मां ज्वालामुखी मंदिर धनपुरी न सिर्फ धार्मिक आस्था का केंद्र बना हुआ है, बल्कि यह श्रद्धा, विश्वास और भक्ति का जीवंत प्रतीक बनकर पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर रहा है।

आस्था का केंद्र बना खरला डूंगरिया: चैत्र नवरात्रि पर पहाड़ों के बीच विराजीं मां दुर्गा और भोलेनाथ

बुढार। शहडोल जिले के ग्राम मुडथावा टोला (खरला डूंगरिया) में इन दिनों भक्ति की बयार बह रही है। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर यहाँ की दुर्गम पहाड़ियों के बीच माँ दुर्गा और भगवान भोलेनाथ की प्रतिमा स्थापित की गई है, जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुँचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

स्वप्न में आए निर्देश, पहाड़ों पर शुरू हुई साधना

क्षेत्र के बाबा भगवान दीन ने इस धार्मिक अनुष्ठान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें माता रानी ने स्वप्न में दर्शन दिए थे। ईश्वरीय प्रेरणा से ही वे घने जंगल और पहाड़ियों के बीच माता रानी और भोलेनाथ की भक्ति में लीन हैं। उन्होंने बताया कि इस साधना का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों के सुखद और उज्जवल भविष्य की कामना करना है।

भक्तों को ओर खींच रहा स्थान

यह स्थान अब श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण और अटूट श्रद्धा का केंद्र बनता जा रहा है। ग्राम जरवाही के निवासी शिव दयाल सिंह ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया:हमैं पहली बार जनवरी माह में इस स्थान पर

सहज भाव से आया था, लेकिन तब से मेरा मन अपने-आप यहां खिंचा चला आता है। अब तो सपने में भी यहां के दृश्य दिखाई देते हैं, जो मुझे बार-बार यहां आने के लिए प्रेरित करते हैं। पहाड़ो पर स्थित इस पावन स्थल पर नवरात्रि के कारण विशेष रौनक देखी जा रही है और स्थानीय ग्रामीणों में भारी उत्साह है।

अमलाई OCM में मजदूरों पर साजिश का जाल!

आरकेटीसी कंपनी और प्रबंधन पर गंभीर आरोप, प्रशासन की भूमिका पर उठे सवाल

धनपुरी, अमलाई ओसीएम इन दिनों मजदूरों के शोषण, मनमानी और साजिशों का अड्डा बनता जा रहा है। सोहागपुर एरिया के अंतर्गत आने वाली इस खदान में ओवरबर्डन हटाने का ठेका आरकेटीसी कंपनी को दिया गया था, जिसका उद्देश्य स्थानीय तकनीकी और गैर-तकनीकी मजदूरों को रोजगार देना था। शुरूआत में इस व्यवस्था से हजारों परिवारों के घरों में चूल्हे जले, बच्चों की पढ़ाई शुरू हुई और मजदूरों ने अपने जीवन को संवारने का सपना देखा। लेकिन अब वही सपना एक सुनियोजित साजिश के तहत टूटता नजर आ रहा है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी के भीतर चापलूसी और चाटुकारिता का ऐसा जाल बिछा दिया गया है, जिसमें ईमानदार और मेहनतकश मजदूर फंसकर बाहर का रास्ता दिखाए जा रहे हैं। आरोप है कि कुछ लोग कंपनी के जीएम वेंकटेश्वर रेड्डी के "करीबी" बनने की होड़ में मजदूरों के हक पर डाका डाल रहे हैं। जो मजदूर इस तथाकथित "ग्रुप" का हिस्सा नहीं बनता, उसे झूठे और मनगढ़ंत आरोपों के आधार पर नौकरी से निकाल दिया जाता है।

सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर खुलेआम वसूली का खेल चल रहा है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, एक मजदूर को काम पर रखने के एवज में 40 हजार से 50 हजार रुपए तक की वसूली की जाती है, जिसमें से आधा हिस्सा कंपनी के एक बड़े अधिकारी तक पहुंचाया जाता है। यह आरोप यदि सही हैं, तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि श्रमिकों के भविष्य के साथ खुला खिलवाड़ है।

पूर्व में आठ कर्मचारियों को मामूली विवाद के नाम पर बाहर कर दिया गया, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि कंपनी को मेहनतकश कर्मचारी नहीं, बल्कि "आज्ञाकारी गुलाम" चाहिए। मजदूरों का कहना है कि यहां काम करने के लिए योग्यता नहीं, बल्कि चाटुकारिता जरूरी हो गई है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दर्दनाक पहलू मजदूरों और उनके परिवारों की स्थिति है। एक बर्खास्त मजदूर के परिजन ने भावुक होकर बताया कि बेटे की नौकरी के भरोसे उन्होंने कर्ज लेकर बेटी की शादी की थी, लेकिन अब नौकरी छिन जाने के बाद उनके सामने घर बेचने या सड़क पर आने की नौबत खड़ी हो गई है। उन्होंने सवाल उठाया—"क्या अब हमारे पास आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता बचा है?"मजदूरों का यह भी आरोप है कि जब उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठानी शुरू की, तो उसे दबाने के लिए कंपनी और प्रशासन दोनों सक्रिय हो गए। प्रशासन, जो मजदूरों का संरक्षक होना चाहिए, वह उल्टा कंपनी के पक्ष में खड़ा नजर आ रहा है। इससे श्रमिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है और यह आक्रोश अब आंदोलन का रूप लेता जा रहा है।अमलाई ओसीएम की यह स्थिति केवल एक खदान की समस्या नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिन्ह है, जहां मजदूरों के अधिकारों को कुचलकर मुनाफाखोरी को प्राथमिकता दी जा रही है। सवाल यह है कि आखिर कब तक मजदूरों का शोषण यूं ही चलता रहेगा? कब तक प्रशासन मूकदर्शक बना रहेगा?यदि समय रहते इस मामले में निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह आक्रोश एक बड़े आंदोलन में बदल सकता है, जिसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर कंपनी प्रबंधन और प्रशासन पर होगी। अब देखना यह है कि शासन और जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर मामले में क्या रुख अपनाते हैं—न्याय का या फिर मौन समर्थन का।

तीसरी आंख बंद, चोर बेखौफ — सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल

— वर्षों से ठप सीसीटीवी सिस्टम, नगर पालिका की लापरवाही से बढ़े अपराध

धनपुरी। शहर की सुरक्षा व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह भगवान भरोसे नजर आ रही है। बाजार, आजाद चौक, इमामबाड़ा चौक सहित प्रमुख स्थानों पर वर्षों पहले लगाए गए सीसीटीवी कैमरे या तो खराब पड़े हैं या फिर पूरी तरह गायब हो चुके हैं। "तीसरी आंख" बंद होते ही चोरों और असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हो गए हैं, जिससे नगर की सुरक्षा पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

नगर पालिका द्वारा लाखों रुपये खर्च कर पूर्व में लगाए गए कैमरे शुरुआती दौर में सुरक्षा के लिए बेहद कारगर साबित हुए थे। चोरी, झपटमारी और अन्य घटनाओं में पुलिस को आरोपियों की पहचान करने में मदद मिलती थी, लेकिन समय के साथ इन कैमरों की देखरेख पूरी तरह नजरअंदाज कर दी गई। मरम्मत के अभाव में पहले कैमरे बंद पड़े रहे और बाद में कई जगहों से हट भी गए।

परिषद में गूंजा मुद्दा, लेकिन कार्रवाई शून्य

सीसीटीवी कैमरों की समस्या को लेकर नगर परिषद की बैठकों में पार्षदों ने कई बार आवाज उठाई। नगर पालिका के सीएमओ ने आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाने का आश्वासन भी दिया, लेकिन यह आश्वासन आज तक धरातल पर नहीं उतर पाया। नतीजतन, वर्षों से नगर बिना सीसीटीवी निगरानी के ही चल रहा है।

संवेदनशील इलाकों में बढ़ा खतरा

आजाद चौक, मुख्य बाजार और इमामबाड़ा चौक जैसे व्यस्त और संवेदनशील क्षेत्रों में कैमरों के बंद होने से सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह कमजोर हो गई है। व्यापारियों और आम नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। छोटी-छोटी चोरी की घटनाएं अब आम हो गई हैं, लेकिन निगरानी के अभाव में अपराधियों तक पहुंच पाना मुश्किल हो रहा है।

पुलिस के हाथ भी बंधे

सीसीटीवी कैमरे बंद होने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी असर पड़ा है। पहले जहां फुटेज के आधार पर अपराधियों तक पहुंचना आसान होता था, अब पुलिस को अधिक समय और संसाधन खर्च करने पड़ रहे हैं। कई मामलों में सुराग के अभाव में अपराधी बच निकलते हैं।

घटना के बाद ही आती है याद

जब भी शहर में चोरी या कोई वारदात होती है, तब प्रशासन और नगरवासियों को "तीसरी आंख" की याद आती है। शांति समिति की बैठकों में भी कैमरों की मरम्मत की मांग उठ चुकी है, लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते स्थिति जस की तस बनी हुई है।

चोरों की 'पौ बारह'

कैमरों के बंद होने से चोर बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दे रहे हैं और आसानी से फरार हो जाते हैं। "तीसरी आंख" की गैरमौजूदगी ने अपराधियों के लिए शहर को सुरक्षित ठिकाना बना दिया है।

नहीं चेते तो बढ़ेंगे अपराध

नगरवासियों ने नगर पालिका से मांग की है कि जल्द से जल्द सीसीटीवी कैमरों की मरम्मत या नई व्यवस्था कराई जाए। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में अपराध और बढ़ सकते हैं, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ेगा।

एक मई से शुरू होगा मकान सूचीकरण कार्य

कटनी। जनगणना 2027 के प्रथम चरण में कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में मकान सूचीकरण 1 मई से 31 मई तक किया जाएगा। इस हेतु मकानों के नंबरिंग का कार्य जनगणना चार्ज स्तर पर संपादित किया जा रहा है। इसी अवधि में कलेक्टर के निर्देश पर डोर-टू-डोर जाकर ई-केवाईसी, फार्मर आईडी, आयुष्मान कार्ड भी अभियान चलाकर बनाये जायेंगे। मकान नंबरिंग हेतु पटवारी एवं सचिवों को संयुक्त रूप से समस्त ग्रामों में डोर-टू-डोर भ्रमण कर मकान नंबरिंग डलवाने के निर्देश दिये गये हैं।

जल गंगा संवर्धन अभियान में नगर पालिका की बड़ी कार्रवाई, वार्ड पार्षद की सक्रिय भूमिका रही प्रमुख

वर्षों की गंदगी हटी, फिर जीवंत हुई झिरिया

धनपुरी। शहर में जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गुरुवार को वार्ड क्रमांक 5 स्थित प्राकृतिक झीरिया की व्यापक सफाई कर उसे नया जीवन दिया गया। वर्षों से गंदगी और उपेक्षा का शिकार बनी इस झीरिया को नगर पालिका की टीम ने कड़ी मेहनत कर पूरी तरह स्वच्छ कर दिया। सफाई अभियान के दौरान झीरिया में जमा कीचड़, प्लास्टिक कचरा, झाड़-झंखाड़ सहित अन्य अपशिष्ट को हटाया गया। कई जगहों पर मोटी गंदगी की परत को निकालने के लिए कर्मचारियों को पानी के भीतर उतरकर हाथों से सफाई करनी पड़ी। पूरे दिन चले इस अभियान में नगर पालिका के अमले ने दिन-रात एक कर झीरिया के मूल स्वरूप को पुनः बहाल कर दिया।

इस अभियान में वार्ड पार्षद सुकृति की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने न केवल पूरे अभियान की निगरानी की, बल्कि स्वयं मौके पर मौजूद रहकर सफाई कार्य को गति दी और कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया। स्थानीय नागरिकों को भी उन्होंने अभियान से जोड़ने का प्रयास किया, जिससे जनसहभागिता बढ़ी और कार्य और अधिक प्रभावी बना।

इस महत्वपूर्ण कार्य में नगर पालिका अध्यक्ष रविंद्र कौर छाबड़ा के नेतृत्व में टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। उनके साथ पूजा बुनकर, एसपी सिंह, इंजीनियर मनोज श्रीवास्तव, राम विशाल नापित, शारदा सिंह, राकेश तांबे, सुजीत सहित पीसीआई की पूरी टीम लगातार मौके पर डटी रही और कार्य को सफल बनाया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह झीरिया कभी क्षेत्र का प्रमुख जल स्रोत हुआ करती थी, लेकिन लंबे समय से सफाई न होने के कारण यह पूरी तरह गंदगी से पट गई थी। इसके चलते जल उपयोग प्रभावित हो रहा था और आसपास का वातावरण भी दूषित हो गया था।

अध्यक्ष ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नगर के पारंपरिक जल स्रोतों को चिन्हित कर उनकी साफ-सफाई और संरक्षण का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल संकट को देखते हुए ऐसे स्रोतों का पुनर्जीवन बेहद आवश्यक है।

स्थानीयों में खुशी, स्वच्छता के साथ जल संरक्षण को बढ़ावा

झीरिया की सफाई के बाद वार्डवासियों में खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि अब यह जल स्रोत फिर से उपयोगी हो सकेगा और आसपास का वातावरण भी स्वच्छ रहेगा।

नगर पालिका की यह पहल न सिर्फ स्वच्छता अभियान को मजबूती दे रही है, बल्कि जल संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता भी बढ़ा रही है।

चेतावनी के बाद भी नहीं जागे उपभोक्ता और विभाग

बिजली का झटका, 28 करोड़ से ज्यादा बकाया

अनूपपुर जिले में बिजली बिल बकाया की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। 28 करोड़ से अधिक की राशि अब तक वसूली से बाहर है, जबकि विभाग लगातार नोटिस और चेतावनी जारी कर रहा है। हैरानी की बात यह है कि आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ सरकारी विभाग भी भुगतान में लापरवाही बरत रहे हैं। इस ढिलाई ने न सिर्फ बिजली विभाग की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है, बल्कि प्रशासनिक जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर।

जिले में बिजली विभाग द्वारा चलाया जा रहा वसूली अभियान एक गंभीर सच्चाई उजागर कर रहा है कि यह सिर्फ आम उपभोक्ताओं की लापरवाही का मामला नहीं है, बल्कि सरकारी विभागों की उदासीनता भी उतनी ही जिम्मेदार है। आंकड़े बताते हैं कि जिलेभर में लाखों उपभोक्ता बिजली का उपयोग तो कर रहे हैं, लेकिन बिल जमा करने में पीछे हैं। इससे विभाग पर आर्थिक दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थिति तब और चिंताजनक हो जाती है जब सरकारी कार्यालय, जो अनुशासन और जिम्मेदारी का उदाहरण होने चाहिए, वही बकाया भुगतान में पीछे नजर आते हैं। विभाग द्वारा बार-बार नोटिस और चेतावनी देने के बावजूद भुगतान न होना इस बात का संकेत है कि समस्या केवल आर्थिक नहीं बल्कि व्यवस्थागत भी है। यदि समय रहते इस दिशा में कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर न केवल बिजली आपूर्ति पर पड़ेगा बल्कि आम जनता को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। यह मुद्दा अब प्रशासनिक प्राथमिकता बनने की मांग करता है।

उपभोक्ताओं पर करोड़ों का बकाया

जिले में करीब 1 लाख 33 हजार से अधिक उपभोक्ताओं पर 28 करोड़ से ज्यादा का बिजली बिल बकाया है। यह आंकड़ा बताता है कि बड़ी संख्या में लोग बिजली का उपयोग तो कर रहे हैं, लेकिन भुगतान को लेकर गंभीर नहीं हैं। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में यह समस्या समान रूप से देखने को मिल रही है। कई उपभोक्ता बार-बार नोटिस मिलने के बावजूद बिल जमा नहीं कर रहे हैं, जिससे विभाग को कनेक्शन काटने जैसी कार्रवाई करनी पड़ रही है। यह स्थिति न केवल विभाग के लिए चुनौती है, बल्कि बिजली व्यवस्था की स्थिरता के लिए भी खतरा बनती जा रही है।

सरकारी विभाग भी बने बकायेदार

इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि सरकारी विभाग भी बिजली बिल भुगतान में पीछे हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत और अन्य विभागों पर लाखों रुपये का बकाया है। कुल मिलाकर सरकारी कनेक्शनों पर लगभग 14 करोड़ रुपये से अधिक की राशि लंबित है। जिन विभागों को अनुशासन और जिम्मेदारी का उदाहरण होना चाहिए, वही नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। इससे आम उपभोक्ताओं को भी गलत संदेश जाता है। यदि सरकारी संस्थान ही भुगतान नहीं करेंगे, तो आम जनता से समय पर बिल चुकाने की उम्मीद करना भी मुश्किल हो जाता है।

चेतावनी के बाद भी नहीं हो रहा भुगतान

बिजली विभाग द्वारा लगातार नोटिस, सूचना पत्र और चेतावनी जारी की जा रही है, लेकिन इसका अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा। कई उपभोक्ता और विभाग इन चेतावनियों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। विभाग ने कनेक्शन काटने की कार्रवाई भी शुरू की है, फिर भी बकाया राशि में खास कमी नहीं आई है। यह दर्शाता है कि केवल चेतावनी पर्याप्त नहीं है, बल्कि सख्त और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो भविष्य में बिजली आपूर्ति बाधित होने का खतरा भी बढ़ सकता है।

पंचायतों में सबसे ज्यादा बकाया

जिले की ग्राम पंचायतों में बिजली बिल बकाया की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। पंचायत स्तर पर करोड़ों रुपये की राशि लंबित है, जिससे ग्रामीण विकास कार्य भी प्रभावित हो सकते हैं। स्ट्रीट लाइट, जल आपूर्ति और अन्य आवश्यक सेवाएं बिजली पर निर्भर हैं, लेकिन भुगतान न होने से इन सेवाओं पर संकट मंडरा रहा है। पंचायतों की यह लापरवाही सीधे तौर पर ग्रामीण जनता को प्रभावित कर रही है। प्रशासन को इस दिशा में विशेष अभियान चलाकर बकाया वसूली सुनिश्चित करनी होगी, ताकि गांवों में मूलभूत सुविधाएं प्रभावित न हों सके।

सख्ती ही समाधान का रास्ता

बिजली विभाग के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती बकाया राशि की वसूली है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल नोटिस और चेतावनी से काम नहीं चलेगा, बल्कि सख्त कार्रवाई जरूरी है। बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काटने, कानूनी कार्रवाई और जवाबदेही तय करने जैसे कदम उठाने होंगे। साथ ही, सरकारी विभागों पर भी समान रूप से नियम लागू किए जाने चाहिए। पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर ही इस समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है। यदि समय रहते सख्ती नहीं बरती गई, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

अनूपपुर में धूमधाम से मनाया गया भगवान झूलेलाल साईं का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह से गूंजा शहर

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर। सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल साईं जी का जन्मोत्सव इस वर्ष अनूपपुर में बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। पूरे दिन चले धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने शहर को भक्ति और उल्लास के रंग में रंग दिया। समाज के लोगों ने एकजुट होकर इस पावन अवसर को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे भगवान झूलेलाल साईं जी की पूजा-अर्चना और आरती से हुई, जिसे पूज्य सिंधी समाज के सचिव अशोक डाबरा ने सिंधी समाज नवयुवक मंडल के पांच सदस्यों के साथ विधिवत संपन्न कराया। वातावरण में भक्ति की मधुर ध्वनि और श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने आयोजन को और भी दिव्य बना दिया। पूजा-अर्चना के पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया। दोपहर 1 बजे से भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के साथ-साथ अन्य वर्गों के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर सेवा और समरसता का संदेश दिया। आयोजन में समाज की एकता और भाईचारे की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 19 तारीख को भारतीय सिंधु समाज अनूपपुर द्वारा एक भव्य वाहन रैली का आयोजन भी किया गया। इस रैली में मातृशक्ति, नवयुवक मंडल और वरिष्ठ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भगवान झूलेलाल के जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा।शाम 5 बजे भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जो सिंधी धर्मशाला से प्रारंभ होकर राम जानकी मंदिर, स्टेशन चौराहा होते हुए पूरे शहर का भ्रमण करती हुई सामतपुर मंदिर मड़फा तालाब पहुंची। वहां भगवान झूलेलाल साईं जी की दिव्य ज्योति का जल प्रवाह कर कार्यक्रम का समापन किया गया। शोभा यात्रा के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा जलपान और कोल्ड ड्रिंक से स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष रूप से डांडिया डांस ने सभी का मन मोह लिया और पूरे माहौल को जीवंत बना दिया। हर ओर भक्ति, संगीत और नृत्य का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का सफल संचालन सिंधी समाज के अध्यक्ष तेजू मल भोजवानी और उपाध्यक्ष भगवान दास केवलानी के नेतृत्व में किया गया। वहीं वरिष्ठ सदस्यों श्री परशुराम, अमर लाल केवलानी, रमेश लालवानी, अनिल थावानी, गोविंद राम थावानी और श्री अर्जुन दास का विशेष योगदान रहा।

फुनगा पुलिस द्वारा अवैध रेत खनन कर परिवहन करते ट्रेक्टर ट्राली को किया गया जप्त

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती-उर-रहमान के निर्देशन मे, अति. पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एवं अनु अधि. कोतमा नवीन तिवारी के मार्ग दर्शन में चौकी फुनगा पुलिस द्वारा अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही की गई। जिसमें 20 मार्च को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि 01 नीले रंग का ट्रेक्टर ट्रोली अवैध रेत खनिज कठना नदी से चोरी कर परिवहन कर कठना नदी तरफ से ग्राम बम्हनी तरफ आ रहा है। सूचना को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्परता से फुनगा पुलिस द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर जाकर पुलिस एवं गवाहों की मदद से ट्रेक्टर को रोका गया। मुखबिर के पहचान के आधार पर नीले रंग का स्वराज ट्रेक्टर पाया गया। ट्रेक्टर के चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम विक्रम सिंह पिता जयनाथ सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी झिरिया का होना बताया तथा ट्रेक्टर मालिक का नाम पता पूछने पर हरिहर प्रसाद पटेल निवासी झिरिया जिला शहडोल का होना बताया। ट्रेक्टर ट्रोली में लोड रेत के संबंध में दस्तावेज मांगने कोई भी वैध दस्तावेज ना होना केवल स्वयं का ड्राइविंग लाइसेंस होना नही बताया है। एवं ट्रोली मे लोड रेत के सम्बन्ध मे पूछताछ करने पर कठना नदी से रेत लोड कर बम्हनी मे विक्रय करने हेतु ले जाना बताया। ट्रोली में 03 घन मीटर रेत कीमती 3,000 रू. व ट्रेक्टर टॉली कीमती 700000 कुल मशरूका 703000 रुपये को गवाहों के समक्ष जप्त किया गया है। आरोपीयों के विरूद्ध धारा 303(2), 317(5) बीएनएस,3/181,5/180 व 4/21 खान खनिज अधिनियम की धाराओं में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। अहम भूमिका उनि सोने सिंह परस्ते चौकी प्रभारी, प्रआर सूर्यभान सिंह एवं आर.वीर सिंह की रही।

48 घंटे में अंधी हत्या का खुलासा, आरोपी बेटे को किया गिरफ्तार

रोज शराब पीने एवं इधर उधर घूमने से मना करने पर बेटे ने की मां की हत्या

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा। 18 मार्च को जरिये मोबाईल सूचना मिली की ग्राम बरबसपुर खेत में एक महिला का शव पडा हुआ है जिसकी तस्दीक हेतु थाना प्रभारी भालूमाडा उप निरी. डी.एस. बागरी अपने स्टाफ के साथ तत्काल रवाना होकर सूचना की तस्दीक की गई तो ग्राम बरबसपुर में डुग्गी तालाब के पास चूडामणि केवट के खेत में एक महिला का शव पडा हुआ पाया गया जिसकी पहचान नंसी बाई यादव पति भगवान दास उर्फ लल्लू यादव उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम बरबसपुर थाना भालूमाडा के रुप में हुई मौके पर मृतिका के पुत्र बब्बी यादव की सूचना पर जीरो पर मर्ग इंटीमेशन कायम कर मृतिका के शव का पंचनामा कार्यवाही कर शव का पीएम कराया गया डाक्टर द्वारा पीएम रिपोर्ट में मृतिका की मृत्यु गले में रस्सी या साडी के फंदे से दबाने के कारण श्वांस अवरुद्ध होने से मृत्यु होना लेख किया मर्ग जांच पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना भालूमाडा में अप.क्र. 86/2026 धारा 103(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। हत्या जैसे गंभीर जघन्य अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मोती-उर-रहमान (भा.पु.से.) के निर्देशन मे अति. पुलिस अधीक्षक जगनाथ सिंह मरकाम तथा अनु.अधि. कोतमा (पुलिस) नवीन तिवारी के मार्ग दर्शन में विशेष टीम गठित कर अज्ञात आरोपी की पता तलास की गई एवं विश्वस सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर मृतिका नंसी बाई यादव के बडा पुत्र संदेही हरिश्चन्द्र उर्फ बियानू यादव पिता भगवान दास उर्फ लल्लू यादव उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम बरबसपुर को हिकमतअमली से पूछताछ किया गया दौरान पूछताछ उक्त संदेही ने अपनी माँ नंसी बाई यादव को रोज शराब पीने एवं इधर उधर घूमने से मना करने पर नही मानने के कारण एवं भूमि संबंधी कागजात रख लेने भूमि का हिस्सा बांट नही करने एवं भूमि बेंचने से इंकार करने पर गुस्सा होकर 16 मार्च की रात्रि 12 बजे से 01 बजे के बीच जब मृतिका नंसी बाई अपने घर में शराब के नशे में सो रही थी तब उसी के पहने हुए साडी कपडा से हत्या करने के नियत से मुंह दबाकर हत्या कर देना और हत्या के आरोप से बचने के लिए मृतिका के शव को रात्रि में ही अपने कंधे में उठा कर ले जाकर घर से लगभग 800 मीटर की दूरी डुग्गी तालाब के पास चूडामणि के खेत में लाश को ठिकाने लगा देना बताया एवं स्वतः आरोपी ने अपराध घटित करना स्वीकार किया आरोपी के विरूद्ध हत्या के पर्याप्त सबूत एवं वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्रित कर उक्त अपराध धारा में आरोपी हरिश्चन्द्र उर्फ बियानू यादव पिता भगवान दास यादव उर्फ लल्लू उम्र 27 वर्ष निवासी बरबसपुर को 20 मार्च को 16.20 बजे गिरफ्तार किया गया है जिसे 21 मार्च को न्यायालय के समक्ष पेश किया जायेगा। अहम भूमिका इंचार्ज थाना प्रभारी भालूमाडा उप निरी. डी.एस. बागरी, स.उ.नि. महिपाल प्रजापति, स.उ.नि. कमलेश शुक्ला, स.उ.नि. चन्द्रहास बांधेकर, प्र.आर. 57 कृपाल सिंह, आर. 362 विनोद जावट, आर. 294 देवेन्द्र तिवारी म.आर. 409 सुप्रिया त्रिपाठी की रही।

पसान क्षेत्र से हो गैस एजेंसी का संचालन

उपभोक्ताओं की परेशानी को किया जा रहा नजरअंदाज

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जिले की सबसे बड़ी नगर पालिका परिषद पसान क्षेत्र में कई वर्ष पहले इंडिया अकरम इंडियन गैस एजेंसी के नाम से उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा देने के उद्देश्य से गैस एजेंसी स्वीकृत की गई लेकिन जब से अकरम इंडियन गैस एजेंसी को पसान क्षेत्र में कार्य करने की स्वीकृति मिली है तब से आज तक यह गैस एजेंसी यहां पर कार्य करते दिखाई नहीं दे रही है बल्कि गैस एजेंसी का कार्यालय पसान क्षेत्र से काफी दूर कोतमा नगर में संचालित है जिसका खामियाजा यहां के उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है इस पूरे मामले को लेकर पसान क्षेत्र के लोगों ने आवाज बुलंद की है और प्रशासन से मांग किया है कि शीघ्र अकरम इंडियन गैस एजेंसी का संचालन पसान क्षेत्र से कराया जाए अन्यथा इस एजेंसी का रजिस्ट्रेशन रद्द कर किसी और को दिया जाए।

उपभोक्ताओं के साथ धोखा

नगर पालिका परिषद पसान वार्ड क्रमांक 3 की पार्षद श्रीमती सविता रूपेश सिंह ने कहा कि अकरम इंडियन गैस एजेंसी उपभोक्ताओं के साथ धोखा कर रही है पसान क्षेत्र के नाम पर संचालित गैस एजेंसी को कोतमा से संचालित किया जा रहा है और यहां उपभोक्ता प्रतिदिन परेशान हो रहे हैं प्रशासन को शीघ्र इस ओर कार्यवाही करने की आवश्यकता है जिससे कि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

कोतमा तक लगानी पड़ रही दौड़

भाजपा मंडल पसान की महिला नेत्री श्रीमती मीनू तिवारी ने बताया कि अकरम इंडियन गैस एजेंसी का कार्यालय और गोदाम कोतमा में संचालित होने के कारण उपभोक्ताओं को कई किलोमीटर का चक्कर काटना पड़ रहा है उपभोक्ताओं को सुविधा के नाम पर उनके द्वारा भेजी जाने वाली गाड़ी भी काफी दिनों से बंद पड़ी है जिससे उपभोक्ता काफी परेशान हैं।

पसान क्षेत्र से हो कार्यालय का संचालन

वार्ड नंबर 18 के पार्षद इंद्रलाल केवट ने कहा कि हमारे क्षेत्र के लिए गैस एजेंसी की स्वीकृति हुई है तो इसका कार्यालय हमारे नगर पालिका पसान क्षेत्र में संचालित होना चाहिए जिससे कि यहां के लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सके केवाईसी तथा अन्य कार्यों के लिए कोतमा उपभोक्ताओं को जाना पड़ता है और परेशानियों का सामना करना होता है हम जिला प्रशासन से मांग करते हैं की अकरम इंडियन गैस एजेंसी की मनमानी पर रोक लगाई और हमारे क्षेत्र में सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की विधि विधान से की गई उपासना

मंदिरों में रही भक्तों की भारी भीड़

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर।

नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की उपासना का विशेष महत्व है। जिला मुख्यालय सहित पवित्र नगरी अमरकंटक, कोतमा, बिजुरी, रामनगर, राजेंद्रग्राम, भालूमाड़ा, जमुना, बदरा, वेंकटनगर, चचाई, बरगवां, अमलाई में चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की विधि विधान से पूजा की गई। मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंगला आरती के साथ ही मंदिर के द्वार भक्तों के लिए खोल दिए गए, जहां श्रद्धालु मां के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मान्यता है कि इस दिन मां ब्रह्मचारिणी के दर्शन से परब्रह्म की प्राप्ति होती है। देवी ब्रह्मचारिणी के दाहिने हाथ में जप की माला और बाएं हाथ में कमंडल रहता है। उनका यह स्वरूप अत्यंत दिव्य और सौम्य मां की भक्ति में डूबे भक्त चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन जिला मुख्यालय सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धालु माता की भक्ति में डूबे नजर आये। सुबह से ही नगर माता के जयकारों से गूंजायमान रहा। हर कोई माता की भक्ति में लीन नजर आ रहा था। कोतमा में चैत्र नवरात्रि के दूसरे दिन नगर के ठाकुर बाबा धाम पंचायती मंदिर, धर्मशाला मंदिर, बूढी माता मंदिर, गोहंड्रा स्थित काली मंदिर, लहसुई कैंप, गोबिंदा कालोनी परासी धाम, निगवानी गांव मे मरखी माता मंदिर में सुबह से देर रात तक दर्शनार्थियों की भारी भीड़ बनी रही।

कोतमा अमलाई नगर के प्रमुख माता मंदिरों में भोर होते ही महिलाएं माता को जल चढ़ाने पहुंच रही थी। मंदिरों में सुबह से लेकर दोपहर तक महिलाओं की लंबी कतार जल चढ़ाने के लिए देखा गया। रेलवे स्टेशन के पास मंदिर तथा विवेक नगर के काली मंदिर में लगातार भीड़ देखी जा सकती है। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम पंचायती मंदिर, धर्मशाला मंदिर गोहंड्रा स्थित काली मंदिर में भक्तों के द्वारा कन्या भोज का आयोजन किया जा रहा है। जहां कन्या पूजन के साथ कन्याओं को बैठाकर भोज कराया जा रहा है और उसके बाद यथाशक्ति चुनरी एवं दक्षिणा भेंट की गई। कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम पंचायती मंदिर, धर्मशाला मंदिर, शारदा काली मंदिर, बूढी माता मंदिर मवेशी बाजार के पास शारदा काली मंदिरों में जवारे बोये गए हैं। भक्तों के द्वारा अखंड ज्योति भी जलवाया जा रहा है। ठाकुर बाबा धाम स्थित कामेश्वरी माता मंदिर में माता का विशेष सिंगार के साथ ही पूजन किया जा रहा है, मंदिर के पुजारी मोहन द्विवेदी ने बताया कि मंदिर परिसर में जिन भक्तों की मन्नत पूरी हो गई है और अन्य लोगों के द्वारा अखंड ज्योति जलवाया गया है जो निरंतर 24 घंटे जलता है। चैत्र नवरात्रि में सुबह से ही नगर की गलियों में बैंड बाजों के साथ भक्त अपने घर से माता के मंदिरों तक दंड बैठक लगाते हुए माता के दरबार पहुंच रहे हैं। कोतमा नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र माता की भक्ति में लीन नजर आ रहा है। हर तरफ माता रानी के जयकारे गूंज रहे हैं।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की कार्यकारिणी घोषित, अब समस्याओं पर होगी सीधी लड़ाई

बी.पी. तिवारी संभाग अध्यक्ष व नरेंद्र देवांगन बने संभाग के कार्यकारी अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज अनुपपुर। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने शहडोल संभाग में अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए कर्मचारियों के हितों की लड़ाई को तेज करने का स्पष्ट संकेत दिया है। प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र सिंह द्वारा जारी अधिसूचना में साफ कहा गया है कि अब कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए संगठन निर्णायक भूमिका में नजर आएगा। घोषित कार्यकारिणी में बी.पी. तिवारी को संभाग अध्यक्ष बनाया गया है, जो अब सीधे तौर पर

कर्मचारियों की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाएंगे। नरेंद्र देवांगन को कार्यकारी अध्यक्ष की कमान सौंपी गई है, जबकि सुश्री नीता खेस एवं गुड्डू चौधरी को उपाध्यक्ष बनाया गया है। पुष्पराज सिंह को संभाग सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। वहीं आर्थिक और संगठनात्मक मजबूती के लिए शिवकुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष तथा सुधीर मिश्रा को सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संघ ने स्पष्ट कर दिया है कि नई टीम अब केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों से सीधा संवाद और जरूरत पड़ने पर आंदोलन का रास्ता भी अपनाया जाएगा। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि यदि समय रहते कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगा। नई कार्यकारिणी को लेकर कर्मचारियों में उत्साह है और सभी को उम्मीद है कि यह टीम अधिकारों की लड़ाई को नई धार देगी। नवनीत पदाधिकारी को कर्मचारियों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मजदूर कांग्रेस की मांग पर जल्द बनाया जाएगा ब्रेकर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर ने सहायक मंडल अभियंता दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे शहडोल ब्रजेश कुमार पाण्डेय को एक लिखित ज्ञापन दिया की अनूपपुर पश्चिम दिशा में बने न्यू शिवम रेलवे कॉलोनी एवं रेलवे गुड्स सेड के बीच से बने नए सीसी रोड में दो पहिया और चार पहिया वाहन काफी तेज गति से निकल रहे हैं, जिससे आए दिन दुर्घटना हो रही है तेज गति के वाहन चलने से न्यू शिवम रेलवे कॉलोनी के रेलवे कर्मचारी उनके परिवार व बच्चों के साथ अनूपपुर के आम नागरिकों को जान का खतरा बना हुआ है, अतः मजदूर कांग्रेस ने यह मांग की है की पश्चिम दिशा में बने न्यू शिवम रेलवे कॉलोनी में बने सीसी रोड में तत्काल ब्रेकर बनाया जाए जिससे रेल कर्मचारी और उनके परिवार और आम नागरिकों को दुर्घटना से बचाया जा सके। शाखा सचिव जयंता दास गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदास राठौर ने जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव को इस गंभीर समस्या से अवगत कराया, इस बाबत पूरी जानकारी दी गई, श्री राव ने तत्काल रेलवे की वरिष्ठ अधिकारियों से फोन पर बात कर ब्रेकर बनाने की मंजूरी दिला दी जल्द मजदूर कांग्रेस की मांग पर ब्रेकर बनाया जाएगा।